रंजित बाबू चूरक्काड तथा विज्ना राणी वासुदेवन

(संयुक्त पुरस्कार) : भरतनाट्यम

कोझिकोड, केरल में क्रमशः 1986 तथा 1979 में श्रीमती विज्ञ रानी वासुदेवन तथा रंजीत बाबू चूरक्कड का जन्म हुआ था। श्रीमती विज्ञ रानी ने श्रीमती सुजाता चन्द्रमोहन, द धनंजयन्स तथा श्रीमती इंदिरा कादम्बी से भरतनाट्यम का प्रशिक्षण प्राप्त किया, तथा मद्रास विश्वविद्यालय से इन्होंने भरतनाट्यम में स्नातकोत्तर की उपाधि अर्जित की। श्री रंजीत बाबू ने प्रसन्ना प्रकाश के सानिध्य में भरतनाट्यम सीखा तथा कलाक्षेत्र फाउंडेशन, चेन्नई से भरतनाट्यम में डिप्लोमा पूरा किया है। दोनों ही कलाकार अभी श्री सी. वी. चन्द्रशेखर के मार्गदर्शन में भरतनाट्यम का उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

आप दोनों ही कलाकारों ने देश–विदेश में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों में बड़े पैमाने पर अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं। इस कला–युगल ने देश–विदेश के विभिन्न नृत्य संस्थानों में भरतनाट्यम पर व्याख्यान–प्रदर्शन करने के साथ ही कार्यशालाओं का आयोजन भी किया है। दोनों ने 2008 में सरस्वतम फाउंडेशन की स्थापना की, यह संस्थान विशेष रूप से भरतनाट्यम शिक्षण–प्रशिक्षण कार्य पर केन्द्रित है।

भरतनाट्यम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए आप दोनों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें नाट्य रत्न भी शामिल है।

भरतनाट्यम के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्रीमती विज्ञ रानी वासुदेवन तथा श्री रंजीत बाबू चूरक्कड को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए संयुक्त रूप से उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।